Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding rejuvenation of Luni river in Rajasthan- laid.

श्री पी. पी. चौधरी (पाली): मैं सरकार का ध्यान मेरे पश्चिमी राजस्थान के संसदीय क्षेत्र पाली से होकर गुजरने वाली लूनी नदी की ओर आकर्षित करना चाहूंगा । यह नदी पाली शहर सहित अजमेर, नागौर, जोधपुर, बाड़मेर, जालौर में बहती हुई गुजरात के कच्छ की खाड़ी में गिरती है । लूणी नदी की लंबाई लगभग 511 कि.मी. है । अधिकारियों द्वारा नदी के दोनों तरफ वनीकरण का निर्णय किया गया है ताकि मृदा और जल संरक्षण के जरिए भू जल संर्वधन और अन्य वानिकी कार्यो को बढ़ावा दिया जा सके । ऐसे में लूणी नदी पर रिवर फ्रंट व इको पार्क बनाकर न केवल सौन्दर्यीकरण होगा साथ ही साथ इको डेवलपमेंट जैसे कार्यक्रम भी होंगे।

राजस्थान के पश्चिमी क्षेत्र पाली में लूनी नदी सिंचाई का स्रोत है | यह नदी पश्चिम राजस्थान वासियों के लिए जीवनदायी है जिसकी लोग पूजा भी करते है । लूणी नदी के क्षेत्र से हैंडीक्राफ्ट के लिए लकड़ी, जलाऊलकड़ी, चारा व अन्य वन उपज भी मिलेगी । वर्षों से बालोतरा व पाली की ओद्योगिक इकाइयों के प्रदूषण की मार झेल रही लूणी नदी का जीर्णोद्धार क्षेत्रवासियों की आजीविका में वृद्धि करने का एक माध्यम भी बनेगा |

मै सरकार का धन्यवाद ज्ञापित करना चाहूँगा कि उन्होने देश की प्रमुख नदियों के जीर्णोधार हेतु अनेक आवश्यक कदम उठाए है | केंद्र सरकार की ओर से गंगा की तर्ज पर देश की 13 प्रमुख नदियों के जीर्णोद्धार का कार्य भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) को दिया है । इसी तर्ज पर लूणी नदी के जीर्णोधार हेतु डीपीआर बनाकर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को भेजी गई है |

मेरा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री जी से निवेदन है कि हमारी इस मरूगंगा के नाम से विख्यात" लूणी नदी " के जीर्णोधार हेतु जल्द आवश्यक कदम उठाने की कृपा करें |